विचित्रताओं से परिपूर्ण 'मानव शरीर'

कु. पल्लवी चौधरी, कक्षा-11
सेंट ऐंस पब्लिक स्कूल, रुड़की

- विश्व में 46 प्रतिशत मनुष्य रक्त 'ओ' वर्ग का होता हैं।
- मानव शरीर को सबसे लम्बी "शिरा इनफीरियर बेनाकावा" है जो हृदय के नीचे अवयवो से हृदय को रक्त पहुँचाती है।
- सामान्य औसत मनुष्य की नाड़ी 70-72 प्रति मिनट होती है।
- नींद की अवस्था में हमारे शरीर का तापक्रम लगभग एक डिग्री कम हो जाता है।
- जीभ में लगभग तीन हजार स्वाद कलिकाएं होती हैं, वृद्ध अवस्था में यह घटकर आठ सौ रह जाती हैं।
- मनुष्य के होठों में तैलीय ग्रन्थि नहीं होती।
- मनुष्य के नाखून एक दिन में अधिकतम 0.1 मिमी. बढ़ते हैं।
- पैरों की उंगलियों की तुलना में हाथ की उंगली के नाखून अधिक तेजी से बढ़ते हैं।
- एक दिन में व्यक्ति पलक झपकने के कारण लगभग 30 मिनट अपनी पलक बन्द रखता है। लेकिन मनुष्य को इसका आभास नहीं होता।

****

भूल गए

शैली गुलाटी
चन्द्रपुरी, रूड़की

बाहर की लगी हवा ऐसी, घर का आँगन भूल गए।
अपना रहे है विदेशीपन को, निज देश का आचरण भूल गए !
खा-केक बिस्कुट-पी चॉय कॉफी होटल का टोटल बढ़ा लिया।
दूध-मक्खन, घी शुद्ध, यहाँ किस तरह मिले।
बल वर्धक भोजन भूल गए, वनस्पति फिर क्यो न मिले ?
कुत्ते हैं घर-घर पले हुए, गायों का पालन भूल गए !
एक ऊगंली उठाई, गुडबाई, गुड मार्निग करना सीख गए।
हाथ जोड़कर नमस्कार कह अभिवादन करना भूल गए !
पहनते हैं नित कोट-पैंट, टाई-हैट आदि तन पर।
धोती-कुर्ता-पाजामा-अचकन आदि सब भूल गए !
डार्विन की थ्योरी, मिल्टन की कविता याद रही।
श्रुति दर्शन-वेद पुराण, गीता-रामायण भूल गए !
नीरस विदेशी अंग्रेजी की टर्र टर्र, है मुँह पर लगी हुई
अति सुलम-सरस-मृदु हिन्दी भाषा भूल गए !

****